परामर्श प्रमुख

श्री कैलाशचंदजी जैन, झाँसी
श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन, अहमदाबाद

प्रधान संपादक
सिंघई राजेन्द्र जैन, 9424013136

सह संपादिका
श्रीमती अनुपमा-रजनीश जैन, 9009066884
श्रीमती साधना-सुनील जैन, 8602696165

कोषाध्यक्ष
सुधेशकुमार जैन, 9827254111

प्रबंध संपादक
राजेन्द्रकुमार जैन, सायकलवाले 9425353972
खुशालचंद जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227

संयोजक एवं प्रकाशक
बाहुबली जैन, 9827247847

समाज के श्रेष्ठीजनों से पुन: सादर अनुरोध है कि समाज की एकमात्र सामाजिक पत्रिका गोलालारीय दर्शन के निरंतर प्रकाशन के लिए आप शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक, विशेष सहयोगी बनकर पत्रिका को आर्थिक संबल प्रदान करें।

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

विशेष सहयोगी

अनिल कुमार ज्ञानचंद जैन, गंजबासौदा

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/-
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/-
संरक्षक (अ.जा.)	5100/-
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/-
सहयोगी सदस्य	1100/-
सहयोग राशि	500/-

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC Code: SBIN0030134 में चेक द्वारा ही जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी व अपना नवीन फोटो मय जानकारी के हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड व कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट - 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।

अत: बायोडाटा शुल्क मल्टीसिटी चेक के द्वारा ही पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन दर (कलर)

अंतिम पेज	15000/-
फुल पेज (अंदर)	11000/-
1/2 पेज	5000/-
1/4 पेज	3000/-
मांगलिक बधाई फोटो सहित	2000/-
शोक संदेश फोटो सहित	1000/-
बॉयोडाटा फोटो सहित	300/-

बायोडाटा, समाचार व अन्य कोई जानकारी पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर अथवा श्री राजेन्द्रकुमार जैन हीरालाल एण्ड संस, 16 महारानी रोड़, इन्दौर पर भेंजे।

सेवा कार्य में उम्र कोई बंधन नहीं

साधना जैन, भोपाल। समाज में जरुरतमंदो की सेवा करने का जज़्बा लिये परोकारिणी महिला मंडल की पांच महिलाओं ने हाल ही मे तपती तेज धूप में ट्रेन के यात्रियों को मठ्ठा और ठंडा पानी बांटकर दिखा दिया कि सेवा के लिए उम्र नहीं होती। ग्रुप की महिलाएं 48 से 65 साल तक ही है। जिन्होंने पिछले दिनों हबीबगंज रेलवे स्टेशन में भरी दुपहरी में जाकर ट्रेन के यात्रियों को मट्ठा और ठंडा पानी बांटा। इस ग्रुप की महिलाओं की एक खास बात और है कि जो मट्ठा इन महिलाओं ने जाकर यात्रियों को बांटा है वह घर पर तैयार किया गया है। सदस्या अमिता जैन ने बताया कि 30 किलो मट्ठा घर पर तैयार किया गया था। इसको बोलतों में भरकर बर्फ से कवर करके रखा गया। अमिता का कहना है कि वह अब हर गुरुवार को इसी तरह सेवा का कार्य करेगी। ग्रुप की महिलाएं पिछले कई वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में नि:स्वार्थ भाव से कार्य कर रही है। गरीब बच्चों को शिक्षा सामग्री बांटना, मरीजों को फल व कंबलो का वितरण करना, महिलाओं को योगा सिखाना आदि कार्य किए जाते है। खास बात यह है कि ये महिलाएं खुद के खर्च से यह काम कर रही है।

प्रभावक व्यक्तित्व और प्रतिभा के धनी थे पंडित उत्तमचंदजी 'राकेश'

ललितपुर नगर के वयोवृद्ध, वणीभूषण पं. उत्तमचंदजी जैन 'राकेश' का पिछले दिनों स्वर्गवास हो जाने से गोलालारीय जैन समाज ने धर्मप्रेमी, समाजप्रेमी, प्रभावशाली व्यक्तित्व खो दिया है। आपकी उल्लेखनीय सेवाओं को हमेशा याद किया जायेगा। आपका निधन विद्वत जगत की अपूरणीय क्षति है।

आपने जैन जगत की निष्ठापूर्वक सेवा की है। आपके योगदान को देखते हुए शास्त्री परिषद ने 2006 में पं. स्वरुपचंद शास्त्री स्मृति पुरस्कार से छपारा में अंलकृत किया था। आप विद्वान के साथ साथ सफल प्रवक्ता, लेखन, प्रवचनकार भी थे। संस्कृत प्रवक्ता के रुप में आपने वर्णी जैन इंटर कॉलेज में अपनी सेवाएं प्रदान की। आपका व्यक्तित्व बहुआयामी था। आपने रत्नकरण्ड श्रावकाचार की ढूंढ़ारी भाषा का हिन्दी अनुवाद और पं. आशाधरजी कृत चरचा शतक का हिन्दी अनुवाद भी किया था।

श्री उत्तमचंदजी राकेश जैन धर्म के मर्मज्ञ विद्वान होने के साथ ही समाज की धार्मिक संस्थाओं के विभिन्न पदों पर आसीन रहे। पं. उत्तमचंदजी जैन 'राकेश' विद्वानों की प्रमुख संस्था अ.भा. भारतवर्षीय दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद के उपाध्यक्ष और संरक्षक, दि. जैन पंचायत के शिक्षामंत्री, ललितपुर धार्मिक एवं पुण्यार्थी औषधालय ललितपुर के 40 वर्षों तक महामंत्री एवं विगत चार वर्षों से अध्यक्ष पद पर, स्याद्वाद शिक्षण परिषद सोनागिरी के महामंत्री, जैन वीर सेवा संघ एवं जैन वीर व्यायामशाला के संरक्षक पद पर अपनी मृत्युपर्यंत तक आसीन रहे। दिगम्बर जैन महासभा के बुंदेलखंड क्षेत्र के लगातार 20 वर्षों तक अध्यक्ष, दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के सदस्य, श्री देवगढ़ मैनेजिंग कमेटी के उपाध्यक्ष पदों पर आसीन रहे। ललितपुर जिले में होने वाले समस्त धार्मिक कार्यक्रमों में उनकी विद्वता पूर्ण उपस्थिति सदैव रही तथा उनके सानिध्य में होने वाले समस्त धार्मिक कार्यक्रम निर्विघ्न संपन्न हुए। उनके जाने से समाज की अपूर्णीय क्षति हुई उसे कभी भी पूरा नहीं किया जा सकता है। आपकी कमी सदैव महसूस होती रहेगी। आपका व्यक्तित्व बहुआयामी था। आप सादगी पसंद इंसान थे। धर्म के प्रचार प्रसार में अपना जीवन समाज को समर्पित कर दिया था। गोलालारीय दर्शन परिवार भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

श्रीमती कपूरीदेवी जैन - जीवन के अंतिम समय तक धर्म में ओत प्रोत रही

स्व. पं. सुखनंदन जैन की धर्मपत्नी एवं टाइम्स ऑफ इंडिया के पत्रकार श्री स्वराज जैन की माताश्री श्रीमती कूपरीदेवी जैन का स्वर्गवास 14 मई 2018 को धर्मध्यान करते हुए बड़े ही शांत निर्मल परिणामों के साथ 96 वर्ष की उम्र में हुआ। श्रीमती कपूरीदेवी ने बड़े ही धैर्यपूर्वक अपने सभी पुत्रों को एकता के सूत्र में पिरोये रखा और माता-पिता दोनों का ही कर्त्तव्य स्वयं निभाते हुए उनमें अपने अनुरुप ही धर्म संस्कारों का रोपण किया। मृत्यु दिवस पर भी करीब दो घंटे माताजी को धर्ममय वातावरण में अनेक सूत्र, धर्म चर्चायें की। मुनिश्री प्रणम्य सागरजी एवं चन्द्रसागरजी के मुख से मंगल शब्द भी उन्हें सुनायें गये और भगवान शांतिनाथ के 3-3 कल्याणक दिवस पर ही उन्होंने शांत परिणामों से शरीर का त्याग किया। यही है गृहस्थ का समाधिमरण। आप 96 वर्ष की उम्र तक शुद्धता से जीवन यापन किया। आप बिल्कुल स्वस्थ थी और किसी प्रकार की अशुद्ध दवाई का आपने सेवन नहीं किया। शुद्ध भोजन, शुद्ध दिनचर्या, परिणाम एकदम शांत-निर्मल थे। उनका जीवन बहुत ही महत्वपूर्ण और सीखने लायक था। मृत्यु का अर्थ है कि आत्मा और शरीर का अलग हो जाना है। धर्मात्मा की मृत्यु कदापि भी शोक का विषय नहीं है। माताजी ने बहुत अच्छे से धर्म-ध्यान किया, परिवार को अच्छे संस्कार दिये। जैन प्रचारक परिवार अम्माजी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनकी आत्मा के लिए शाश्वत शांति तथा उनके चारों पुत्ररत्न सर्वश्री स्वराज जैन (टाइम्स ऑफ इंडिया), जैनेन्द्र जैन (जेडी), ई. अरुण जैन एवं अनिल जैन को इस कठिन घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रभु से प्रार्थना करता है।

* विनम्र श्रद्धांजली *

दिल्ली के जाने माने न्यूरो सर्जन डॉ. अनिल कुमार जैन सुपुत्र डॉ. बाहुबलि कुमार जैन (ललितुपरवाले) का 24 अप्रैल 2018 को अल्पायु में आकस्मिक निधन हो गया। डॉ. जैन अत्यंत मृदुभाषी, धार्मिक विचारों से ओतप्रोत, समर्पित व्यक्तित्व के धनी थे। आप अपने ही जैन न्यूरो हॉस्पिटल, जागृति इन्क्लेव दिल्ली में वरिष्ठ चिकित्सक थे। आप उदारवादी चिकित्सक होने के साथ-साथ समाज के कार्यों के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहते थे। आपका पूरा परिवार समाज के कार्यों में अग्रसर होकर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रहा है।

श्री ऋषि कुमार जैन के पिताजी **श्री वीरेन्द्रकुमार जैन** का देवलोकगमन दिनांक 22 मई को इन्दौर में हो गया है। आप सरल स्वभावी, मितभाषी व्यक्तित्व के धनी थे। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को मंदिरजी हेतु 1100/- दान स्वरुप भेंट किये।

स्व. श्री महावीर प्रसाद जैन की धर्मपत्नी एवं श्री राजेन्द्र प्रसाद जैन व श्री संजय जैन की माताजी **श्रीमती कमलाबाई जैन** का देवलोकगमन 27 मई को हो गया है। आप धार्मिक स्वभाव की महिला थी। आपकी स्मृति में परिजनों ने गोलालारीय समाज को 11000/- एवं गोलालारीय दर्शन पत्रिका को 2100/- दान स्वरुप भेंट किये।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

जैन समाज के विरोध के बाद भेड़ बकरी निर्यात कार्यक्रम रद्द

प्रकाश जैन, नागपुर। संतरा नगरी के डॉ. बाबासाहब आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय विमानतल से पहली बार भेड़-बकरियां निर्यात करने के कार्यक्रम को जैन के विरोध प्रदर्शन के कारण रद्द कर दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ 30 जून को मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस व केन्द्रीय मंत्री नितिन गड़करी के हाथों होना था लेकिन जैन समाज द्वारा इसे पशुओं की हिंसा को बढ़ावा देते हुए तीव्र विरोध किया गया था। समाज की भावना को देखते हुए फिलहाल कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया है।

सकल जैन समाज ने रैली निकालकर किया विरोध -इससे पहले जैन समाज ने सड़कों पर उतरकर सरकार के निर्णय का तीव्र विरोध किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय अर्थात नागपुर शहर से भेड़-बकरियों का निर्यात करने का निर्णय का जैन राजनैतिक चेतना मंच और सकल जैन समाज ने सख्त विरोध किया है। इस निर्णय को पीछे लेने की मांग करते हुए मंच की अध्यक्ष डॉ. रिचा जैन के नेतृत्व में शहीद चौक से रेशमबाग चौक तक मार्च निकाला गया। रैली के दौरान जैन समाज के लोगों ने अपने हाथ में फलक लिए थे। जिसमें इसे हिंसा को बढ़ावा देने वाला कदम बताते हुए निर्णय का विरोध किया गया। बारिश के बीच यह रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया।